संदेश आत्मा, बोकारो

किसानों की समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान

मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना

पेटरवार प्रखंड, बोकारो के कोह गांव के बरबेचवा टोला में गरीब महिलाओं को संगठित कर ''लक्ष्मी महिला मंडल'' का गठन हुआ। इनमें से अधिकांश महिलाएं कृषक मजदूर थी, जिन्हें मुसीबत में महाजन से कर्ज लेना पड़ता था। इस समूह की महिलाओं के पास अनुत्पादक जमीन था, सिंचाई एवं अन्य इनपुट नहीं रहने के कारण खेती नहीं कर पाती थी। कृषि विभाग, बोकारो द्वारा प्रेरित होने के बाद इस समूह को एस0 जी0 एस0 वाई0 से आधारभूत संरचना मद से मुर्गीपालन में सहयोग प्रदान किया गया। इससे थोड़ी सी आर्थिक स्थिति सुधरने के पश्चात इस समूह की महिलाओं ने आत्मा, बोकारो द्वारा आयोजित प्रशिक्षण एवं माइन्ड सेट चेंज करने संबंधी कार्यशाला से प्रभावित होकर खेती को जीवकोर्पाजन का साधन बनाने का संकल्प लिया। इसके लिए आत्मा, बोकारो ने मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना के अन्तर्गत कोह संकुल के किसानों में इस टोला के महिला किसानों को विशेष रूप से चिन्हित कर उन्हें माईक्रोलिफ्ट 20 फीट व्यास का कुँआ, पाईप मशीन आदि उपलब्ध कराया गया।

बरबेचवा टोला में माईक्रोलिफ्ट इरिगेशन योजना के तहत 20 फीट व्यास का निर्माणाधीन कूप

इसमें 28 फीट पानी आज भी है। इस महिला मंडल एवं अन्य समीपवर्ती किसानों के 20 एकड़ परती जमीन को सिंचित बनाये जाने से किसानों के चेहरे पर खुशी की लहर दौर पड़ी है। अब वहॉ के किसान अरहर, टमाटर, आलू, मकई, हरी सब्जी की खेती निश्चिंत होकर कर रहें हैं।

इससे प्रति महिला परिवार को औसतन 1500 रूपये प्रति माह की आय वृद्धि हो रही है। मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना से सिचाई की सुविधा के साथ–साथ बीज, कीटनाशक, मिट्टी जॉच की सुविधा, केंचुआ खाद निर्माण हेतु संरचना एवं मुर्गीपालन हेतु दक्षता संवर्धन आदि दिये जाने से इस टोला के किसानों का कृषि विभाग एवं राज्य सरकार की योजनाओं के प्रति विश्वास एवं आस्था उत्पन्न हुआ। परिवार की आय वृद्धि होने से इन महिलाओं के रहन–सहन में काफी बदलाव हुआ है। जो महिलाएं मकई एवं मडुआ खाकर अपना जीवन बसर करती थी उन्हें अन्य पौष्टिक आहार चावल, रोटी, हरी सब्जी आदि प्राप्त हो रहा है। इससे मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना की सार्थकता सिद्ध हो रही है।

लक्ष्मी महिला मंडल की सदस्य उल्लास के साथ खेत में काम करते हुए